साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 4 | अंक : 39 गोंदिया : गुरुवार, दि. 9 मई से 15 मई 2024 ■ पृष्ठ : 4 ■ मूल्य : रु. 5

गोरेगांव तहसील कार्यालय बना भ्रष्टाचार का गढ़

1 लाख की रिश्वत का मामला तहसीलदार भदाणे,नायब तहसीलदार नागपुरे व1आरोपी एसीबी की हिरासत में

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले के राजस्व विभाग का गोरेगांव तहसील कार्यालय भ्रष्टाचार का गढ़ बना हुआ है जिसमें हर मामूली काम भी बिना रिश्वत के नहीं होता। मंगलवार 7मई को रिश्वत के एक मामले में गोरेगांव के तहसीलदार किसन कचरू भदाणे, नायब तहसीलदार ज्ञानेश्वर रघुजी नागपुरे व कंप्यूटर ऑपरेटर राजेंद्र गोपीचंद गणवीर को गोंदिया एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा 1 लाख रुपये के रिश्वत मामले में हिरासत में लिया। एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रकरण इस प्रकार है कि गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम टेढ़ा निवासी 40 वर्षीय फरियादी वह उसका एक मित्रबिल्डिंग मटेरियल सप्लायर का काम करता था जिसके पास 6 पहिया टिप्पर है जिससे रेती का परिवहन किया जाता था। 4 मार्च 2024 की दोपहर 1ः00 के दौरान दो-दो ब्रास रेत का अवैध रूप से परिवहन करते समय मंडल अधिकारी वह उसकी दल द्वारा टिप्परों को गिधाडी परिसर में पकड़ कर तहसील कार्यालय गोरेगांव में जमा किया गया था। जिस पर तहसीलदार द्वारा शिकायतकर्ता व उसके दोस्त को चालान का भुगतान करने के लिए कहा जिस पर 6 मार्च 2024 को शिकायतकर्ता व उसके मित्र द्वारा बैंक में प्रति वाहन 1लाख 23883 रुपए का चलन का भुगतान किया वह रसीद के साथ तहसील कार्यालय गोरेगांव पहुंचे, किंतु उस दिन उन्हें उनके टिप्पर का ताबा नहीं मिला जिससे वह अपने गांव चले गए। गांव पहुंचने पर उनके परिचित एक व्यक्ति द्वारा मिलकर कहा गया कि तुम्हारे टिप्पर को छोड़ने वह आगे रेती का परिवहन नियमित शुरू रखने के लिए प्रति वाहन 50000 के प्रमाण से दोनों वाहनों का 1लाख रुपये तहसीलदार भदाणे गोरेगांव को देना होगा ऐसी सूचना दी। लेकिन शिकायतकर्ता द्वारा रिश्वत न देने की मंशा को लेकर इसकी शिकायत गोंदिया एंटी करप्शन ब्यूरो में की गई जिस पर जांच के दौरान यह सामने आया कि आरोपी क्रमांक एक तहसीलदारभदाणे द्वारा शिकायतकर्ता व उसके मित्र को जुर्माने की राशि का चालान भरने के साथ-साथ जप्त वाहन को छोड़ने के लिए और एक चालान भरना होगा ऐसा दुअर्थी शब्दों का इस्तेमाल कर दोनों वाहनों छोड़ने के लिए एक लाख रुपए की रिश्वत की मांग कर उसे लेने की इच्छा दर्शाई। इसके पश्चात 7मई को आरोपी क्रमांक एक तहसीलदार द्वारा 100000 रिश्वत की राशि निजी व्यक्ति आरोपी क्रमांक 3 राजेंद्र गोपीचंद गणवीर उम्र 52 वर्ष कंप्यूटर ऑपरेटर तहसील कार्यालय गोरेगांव को देने को कहा किंतु इस दौरान निजी व्यक्ति को संदेह होने पर उसने राशि स्वीकार नहीं की। शिकायतकर्ता व उसके मित्र के टिप्पर जिसमें प्रत्येक दो ब्रास रेती के साथ वाहन जप्त कर पंचनामा मंडल अधिकारी वह पथक द्वारा आरोपी क्रमांक 1 को पेश किया था जिस पर आरोपी क्रमांक 1, 2 व 3 ने काटकर जप्त किए गए वाहन में से दो ब्रास रेती न होने तथा एकब्रास रेती थी ऐसा दिखाने के लिए झूठे दस्तावेज तैयार करने के साथ ही जप्त वहां टिप्पर नहीं वहां यह ट्रैक्टर था ऐसा दस्तावेज तैयार कर कार्यालय में पेश किया। इस मामले में आरोपी क्रमांक 2 नायब तहसीलदार ज्ञानेश्वर रघु जी नागपुरे उम्र 56 वर्ष तहसील कार्यालय गोरेगांव द्वारा संपूर्ण दस्तावेज तैयार करने में मदद करने पर उसके बदले पार्टी देने की मांग भी की थी। उपरोक्त मामले में गोंदिया एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा संपूर्ण दस्तावेज वह तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर गोरेगांव पुलिस थाने में भ्रष्टाचार प्रतिबंधक कानून की धाराओं के तहत मामला दर्ज करवाया उल्लेखनीय है कि आरोपी क्रमांक एक तहसीलदार गोरेगांव भदाने इसके पूर्व ठाणे में तहसीलदार के पद पर वर्ष 2017 मेंकार्यरत था। इस दौरान वहां भी 10 लाख रुपए की रिश्वत स्वीकारने के संदर्भ में पुलिस स्टेशन ठाणे शहर में मामला दर्ज हैं।

उपरोक्त करवाई भ्रष्टाचार प्रबंधक विभाग के नागपुर परिक्षेत्र के पुलिस अधीक्षक राहुल माकणीकर, अपर पुलिस अधीक्षक सचिन कदम, संजय पुरंदरे के मार्गदर्शन में जांच अधिकारी उप विभागीय पुलिस अधिकारी भ्रष्टाचार प्रतिबंधक विभाग गोंदिया विलास काले ,पुलिस निरीक्षक उमाकांतउगले सहायक फौजदार चंद्रकांत करपे, पो. हवा. संजयकुमार बोहरे,मंगेश काहालकर, नापोशि. संतोष शेंडे, संतोष बोपचे, अशोक कापसे,नापोशि प्रशांत सोनवाने, मनापोशी संगीता पटले ,चालक नापोशि दिपक बाटबर्वे द्वारा की गई।

जमीन के पुराने विवाद को लेकर की जघन्य हत्या

गोरेगाँव हत्याकांड : मामला हत्यारा पुलिस की हिरासत में

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले के गोरेगाँव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मसगाव में 1से 2 मई की रात एक 55 साल के व्यक्ति ढिवरु इसन इडपाचे की उसके घर के भीतर घुसकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड से पुरे गोरेगाँव शहर में सनसनी फैल गई थी। हत्या के भयावह रूप को किसने अंजाम दीया इसे लेकर गोरेगाँव पुलिस ने भादवि की धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर जांच में जुटी हुई थी। पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा के निर्देश एवं मार्गदर्शन में एसडीपीओ आमगांव प्रमोद मडामे के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच के पीआई दिनेश लब्दे व उनकी टीम, गोरेगाँव थाने के पीआई अजय भुसारी व उनकी टीम म्हसगाव में अज्ञात हत्यारे की जांच में जुट गई। पुलिस ने इस हत्याकांड से पर्दा उठाने बड़ी कुशलता एवं बारीकी से जांच पड़ताल कर हत्या को अंजाम देने वाले आरोपी के गिरेबान तक पहुँचने का कार्य किया। पुलिस टीम ने गांव में करीब 100 लोगो से पूछताछ की, वही मृतक के रिश्तेदार व पहचान वालो से भी पूछताछ की। पुलिस को इसी कड़ी में एक सुराग के तहत जांच की सुई मृतक के एक रिश्तेदार पर आकर टिक गई। मृतक के रिश्तेदार नाम वीरेन्द्र बेनीराम इडपाचे उम्र 29 निवासी म्हसगाव तहसील गोरेगाँव से पूछताछ करने पर उसने इस हत्या को अंजाम देने की बात कबूल की। आरोपी वीरेन्द्र इडपाचे ने बताया कि उसने ये हत्या, घर जमीन के पुराने चल रहे विवाद को लेकर की। आरोपी को गोरेगाँव पुलिस ने गिरफ्तार कर आगे की जांच पीआई भुसारी द्वारा की जा रही है।इस हत्याकांड से पर्दा उठाने व आरोपी को गिरफ्तार करने पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश व मार्गदर्शन में स्थानिक अपराध शाखा पुलिस के पीआई दिनेश लब्दे, एपीआई विजय शिंदे, पुउपनि विघ्ने, उपनि वनिता सायकर, व टीम, पोलीस थाना गोरेगाव के पुलीस निरीक्षक अजय भुसारी, व पुलिस टीम ने सफलता पूर्वक कार्य किया।

अवैध रेत समेत ट्रैक्टर पकड़ा

गोंदिया-तिरोड़ा थाने के तहत कवलेवाड़ा स्थित वैनगंगा नदी से बिना नंबर के ट्रैक्टर में रेत भरते हुए एक ट्रैक्टर को पकड़ा गया. पुलिस ने 6 लाख 50 हजार रुपए कीमत का ट्रैक्टर, एक ब्रास रेत कीमत 3 हजार रुपए, 5 फावडे, 5 प्लास्टिक घमेले कीमत 1 हजार रुपए मिलाकर कुल 6 लाख 54 हजार रुपयों का माल जब्त किया. फिर्यादी की शिकायत पर तिरोड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस नायक श्रीरामे कर रहे हैं.

ग्रीष्मकालीन ताइक्कांडो प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

बुलंद गोंदिया। डीजीएम ताइक्कांडो स्पोर्ट्स एजुकेशन एंड यूथ अकादमी एवं गोंदिया जिला ताइक्कांडो एसोसिएशनके संयुक्त विद्यमान से दिनांक 1 से 10 मई के दौरान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था फूलचूलपेठ, गोंदिया में ग्रीष्मकालीन ताइक्कांडो प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। इस प्रशिक्षण शिविर में 100 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया है, इस प्रशिक्षण शिविर मे प्रमुख मार्गदर्शक के रूप मे आंतरराष्ट्रीय ताइक्कांडो रेफरी एवं कोच दुलीचंद मेश्रामअपनी सेवा दे रहे है। गौरतलब है की ताइक्कांडो यह खेल अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक खेल है खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है, एवं विविध सरकारी एवं निम्न सरकारी नौकरी भर्ती प्रक्रिया में 5त्न खेल आरक्षण में इस खेल का समावेश किया गया है, एवं विविध क्रीड़ा सुविधाए भी ताइक्कांडो खेल को मिल रही हैं, जिसका फायदा भविष्य में खिलाड़ियों को होगा। इस प्रशिक्षण शिविर में सह प्रशिक्षक के रूप में कूंजन डोये, प्राची मौदेकर, कुसुम पटले, पूर्वा भंडारकर, आंचल राऊत, प्रथम भंडारकर,शिवम सोलंखे, वैदेही शहारे, माधुरी थेर, शिमरान बनोटे इन सभी सह प्रशिक्षक शिविर में सहयोग दे रहे हैं।

बजाज केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग

10 फायर गाड़ियों को आग पर काबू पाने घंटो करनी पड़ी मशक्कत

बुलंद गोंदिया-गोंदिया शहर के फूलचुर नाका स्थित बजाज केमिकल फैक्ट्री में शनिवार 4 मई की सुबह 7.30 बजे के दौरान अचानक भीषण आग लग गई। केमिकल फैक्ट्री में लगी इस आग पर काबू पाने के लिए 10 अग्निशमन वाहनों वह 25से 30 कर्मचारियों को घंटो मशक्कत करनी पड़ी तब जाकर आग पर काबू पाया गया हालांकि इस घटना में किसी भी प्रकार की बड़ी जान माल की हानि नहीं हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया शहर के फूलचूर नाके के समीप स्थित बजाज केमिकल फैक्ट्री जिसमें लकड़ी का पॉलिश वह जूता पॉलिश का निर्माण किया जाता है। जहां बड़ी संख्या में प्लास्टिक के ड्रम में केमिकल रखा गया था तथा गोदाम के अंदर पैकिंग कर बक्सों में भी केमिकल रखा हुआ था जिसमें शनिवार 4 मई की सुबह 7ः30 बजे के दौरान अचानक आग लगी दिखाई दी। इसकी जानकारी केमिकल फैक्ट्री के कर्मचारी शरनागत द्वारा अग्निशमन विभाग व फैक्ट्री के मालिक बजाज को दी जिस पर अग्निशमन दल के कर्मचारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे लेकिन केमिकल की आज होने व तेजी से फैलने के कारण गोंदिया नगर परिषद अग्निशमन विभाग के 7 दमकल वाहन वह तिरोडा आमगांव व गोरेगांव के एक-एक वाहन इस प्रकार 10 अग्निशमन वाहनों को आग पर काबू पाने के लिए दोपहर 12ः00 तक मशक्कत करनी पड़ी तब जाकर आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका जिसमेंआग बुझाने में करीब 25 से 35 कर्मचारियों का समावेश था। विशेष है कि केमिकल की आग होने के चलते पानी के साथ बड़े पैमाने पर फोम कैमिकल का इस्तेमाल किया गया था। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की तत्परता व कड़ी मेहनत से आग को और अधिक फैलने नहीं दिया गया हालांकि गोदाम में रखा केमिकल पूरी तरह जलकर खाक हो गया साथ ही गोदाम की इमारत को भी भारी नुकसान हुआ है।

दो लोग मामूली रूप से झूलसे इस अग्निकांड हादसे में बजाज केमिकल फैक्ट्री के प्रदुमन बजाज व एक राठी नामक व्यक्ति बचाव के दौरान आग की हल्की चपेट में आने से मामूली रूप से जख्मी हो गए जिन्हें उपचार के लिए चिकित्सालय में दाखिल कराया गया लेकिन स्थिति चिंताजनक बताई गई।

केमिकल फैक्ट्री में अग्नि सुरक्षा यंत्र का अभाव किसी भी प्रकार का केमिकल एक प्रकार से ज्वलनशील पदार्थ होता है जहां इसका निर्माण या गोदाम रख रखा होता है वहां पर अग्नि सुरक्षा यंत्र व उसके साधन होना आवश्यक है लेकिन बजाज केमिकल फैक्ट्री में अग्नि सुरक्षा यंत्र का अभाव था यह बात इस आग लगने की घटना के पश्चात उजागर हुइ है। इस संदर्भ में गोंदिया के अग्निशमन विभाग के अधिकारी नीरज काले द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि इसके पूर्व 2021 में फैक्ट्री में आग लगने पर फैक्ट्री संचालक को नोटिस दिया गया था लेकिन इस पर अमल नहीं हुआ है। यदि अग्नि सुरक्षा यंत्र होता तो और जल्द ही आग पर काबू पाया जा सकता था तथा एक बड़े नुकसान से बचा जा सकता था।

जिप सदस्य नेवारे अयोग्य संभागीय आयुक्त बिदरी का फैसला

भंडारा-अनुसूचित जनजाति प्रमाणपत्र छानबीन समिति ने निर्णय लिया था कि साकोली तहसील के एकोडी जिला परिषद क्षेत्र से भाजपा की निर्वाचित जिला परिषद सदस्य माहेश्वरी हेमराज नेवारे का जाति वैधता प्रमाण पत्र अवैध है. इस फैसले को बरकरार रखते हुए संभागीय आयुक्त ने उन्हें जिप सदस्य पद के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है. चूंकि आरक्षित सीट से चुनी गई नेवारे की जिप सदस्यता खतरे में थी, इसलिए उन्होंने इस फैसले के खिलाफ संभागीय आयुक्त कार्यालय, नागपुर का दरवाजा खटखटाया था. इसी बीच अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति गोंदिया के 25 जनवरी 2024 के आदेश के अनुसार माहेश्वरी हेमराज नेवारे का जाति प्रमाण पत्र अमान्य होने की वजह से संभागीय आयुक्त विजयलक्ष्मी बिदरी ने 3 मई को आदेश दिया है कि उन्हें क्षेत्र की अनुसूचित जनजाति महिला के लिए आरक्षित जिप सदस्य पद के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया है. एकोड़ी जिप क्षेत्र से माहेश्वरी नेवारे ने अनुसूचित जनजाति आरक्षित सीट पर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की थी. माहेश्वरी नेवारे की जाति गोवारी है और उन्होंने गोंडगोवारी जाति का प्रमाण पत्र जमा किया था. 17 जनवरी 2020 को अनुसूचित जनजाति निरीक्षण समिति से उन्होंने जाति वैधता प्रमाण पत्र प्राप्त किया था. उक्त जाति वैधता प्रमाण पत्र अयोग्य होने के संबंध में आशा मडावी ने जाति वैधता समिति गोंदिया के समक्ष शिकायत दर्ज करायी थी. अनुसूचित जाति सत्यापन समिति गोंदिया ने मामले की गहन जांच की. चूंकि माहेश्वरी नेवारे की जाति गोवारी है, इसलिए उनका गोंडगोवारी जाति का दावा अमान्य हो गया है माहेश्वरी नेवारे को जिला परिषद सदस्यता से बर्खास्त करने की मांग अखिल भारतीय आदिवासी कर्मचारी महासंघ शाखा भंडारा ने की है.

मालवाहक चालक पर कार्रवाई

गोंदिया-शहर के चना लाइन में रास्ते पर मालवाहक एमएच 35 के 1443 को खड़ा कर यातायात में बाधा निर्माण करने वाले मुर्ती के संजयनगर निवासी अर्जुन काटेखाये (19) पर शहर पुलिस ने कार्रवाई की. कार्रवाई सिपाही मच्छींद्रकुमार लांजेवार ने की. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

दुर्घटना में युवक घायल

गोंदिया-तहसील के ओझाटोला निवासी लल्ला गेंदरे (25) गांव के पास दुर्घटना में घायल हो गया. उसे उसी दिन दोपहर में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है. शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया.

तेंदूपत्ता संकलन के लिए गए एक ही परिवार के लोगों पर मधुमक्खी का हमला 6 जख्मी

बुलंद गोंदिया। देवरी तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम पिंडकेपार (गोटाबोड़ी) के जंगल में 3 मई की सुबह तेंदूपत्ता संकलन के लिए गए एक ही परिवार पर मधुमक्खी के झुंड ने हमला किया जिसमें 6 लोग जख्मी हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया जिले में तेंदूपत्ता संकलन का कार्य बड़े पैमाने पर शुरू है जिससे ग्रामीण क्षेत्र के निवासी अपनी आजीविका के लिए बड़े प्रमाण पर अपने जीवन की परवाह न करते हुए जंगल परिसर में जाकर तेंदूपत्ता संकलन करते हैं। इसी प्रकार 3 मई की सुबह ग्राम पिंडकेपार (गोटाबोड़ी) निवासी अखिल नागदेव उम्र 50 वर्ष, अनसूया नागदेव उम्र 45 वर्ष, नेहा नागदेव 23 वर्ष, नंदिनी नागदेव 20 वर्ष, दामिनी नागदेव 18 वर्ष, रविता नागदेव 26 वर्ष तेंदूपत्ता संकलन केलिए गए थे। इसी दौरान जंगल परिसर में मधुमक्खी के एक झुंड ने परिवार पर हमला कर दिया जिसमें परिवार के 6 लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए जिन्हें उपचार के लिए देवरी के ग्रामीण चिकित्सालय में दाखिल कराया गया।

संपादकिय...

इस भंवर के किनारे नहीं

कांग्रेस ने भले ही बागी विधायकों से निजात पा ली, लेकिन टिकटों के आबंटन में चुनावी अभियान रूठ कर बैठा रहा। लंबे अंतराल के बाद पहले तीन टिकटें और अब दो और चेहरे मिल गए, लेकिन धर्मशाला में पार्टी के भंवर अभी किनारे तक नहीं पहुंचे। पहली खेप के दो यात्री भाजपा के डिब्बे से उतरे थे, लेकिन उसके बाद अब तक घोषित पांच उम्मीदवारों में से तीन पर नया सिक्का उछाला जा रहा है। लाहुल स्पीति से अनुराधा राणा के सामने कल के कांग्रेसी और अब के भाजपाई रवि ठाकुर होंगे। ऐसे में बगावत का तीर चला चुके डा. रामलाल मार्कंडेय के पास ऐसे अस्त्र-शस्त्र रहेंगे जो किसी भी उम्मीदवार का तीया पांचा कर सकते हैं। वास्तव में अब ट्राइबल चुनाव हिमाचल की मुख्य धारा से अलग परिकल्पना का परिमार्जन है, यानी कौन किसके बगल में छुरी लेकर खड़ा है, यह अनुमान टेढ़ी खीर है। बड़सर का कांग्रेसी उधार अब एक नए चेहरे यानी सुभाष चंद को मिला है। यहां पार्टी की विरासत का वोट छीनकर इंद्रदत लखनपाल पहले ही अपनी बिसात बिछा चुके हैं, तो अब तसल्ली से चुने गए कांग्रेसी उम्मीदवार सुभाष चंद की ताजगी से अपने पुराने पेंच लड़ाएंगे। बहरहाल, कांग्रेस की करवटों में समय की सूइयां, चुनाव की पाबंदियां, सरकार की बुलंदियां और सबके सामने अपने ही रक्तचाप की हदबंदी है। प्रचार की सीमा रेखा को परास्त करती जुबानी जंग का प्रदर्शन अब होने लगा है, जबकि सियासत की भूमि पर चुनाव के पलड़े टूटे पड़े हैं। यह दीगर है कि कांग्रेस की रणनीति में नई आस्था, विश्वास और राष्ट्रीय प्रचार के झोंके प्रफुल्लित कर रहे हैं, लेकिन धर्मशाला के आंगन में विश्राम कर रही पार्टी को तैयार होने में देरी लग रही है। इसके अर्थों में पार्टी की असहजता व असमर्थता नहीं, बल्कि बागी हुए सुधीर शर्मा को पूरी तरह पस्त करने की किंकर्त्तव्यविमूढ़ता कहीं अधिक दबाव डाल रही है। जाहिर है इससे चार बार विधायक रहे सुधीर शर्मा का प्रभाव और गहरा व उनके प्रचार की सामग्री और विद्रोही हो जाएगी। विधायकों का बागीपन और उपचुनावों के विद्रोही तेवर बता रहे हैं कि कांग्रेस के आमने-सामने अपना ही परिवार का कोई न कोई हिस्सा टूट कर बिखरेगा। यह दांव बड़ा है और नुकसान भी कम नहीं होगा। जैसे कि मुख्यमंत्री का अभियान लक्ष्य लेकर चला है, कांग्रेस के अपने पहाड़, अपनी घाटियां और अपनी मंजिलें तय हैं। अपने विधायकों के जरिए जमीन जोतने की तैयारी हो, विपक्ष से छीनकर नेता बदलने की बारी हो, नए चेहरों पर दांव भारी हो या आलाकमान के लिए आनंद शर्मा जैसा दिग्गज उतारने की सूची जारी हो, कांग्रेस भाजपा के लिए राहें मुश्किल बना सकती है। ये चुनाव कांग्रेस के महल की खिड़कियों के लिए हो रहे हैं और एक मुख्यमंत्री के कार्यकाल के लिए बार-बार याद किए जाएंगे। यह राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा की पटकथा पर लिखे हुए चुनाव हैं, इसलिए समीक्षाओं के हर पड़ाव पर काल, कर्त्तव्य और कर्मठता का वर्णन हो रहा है। कर्मठता थी, इसलिए बगावत के बावजूद कांग्रेस की सत्ता आबाद है। लोकतांत्रिक कर्त्तव्य की ढाल पर मुख्यमंत्री ने विद्रोह की लहरों से बारूद को अलग किया है।

अक्षय तृतीया क्यों मनाया जाता है? जानें इस दिन से जुड़ी पौराणिक मान्यताएं और महत्व

आज यानी 10 मई को अक्षय तृतीया मनाई जा रही है। वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया मनाया जाता है। अक्षय तृतीया का दिन सालभर की शुभ तिथियों की श्रेणी में आता है। आज ही के दिन त्रेता युग का आरंभ भी माना जाता है। कहते हैं आज के दिन किये गये कार्यों से अक्षय फलों की प्राप्ति होती है। %न क्षय इति अक्षय% यानि जिसका कभी क्षय न हो, वह अक्षय है। लिहाजा इस दिन जो भी शुभ कार्य, पूजा पाठ या दान-पुण्य आदि किया जाता है, वो सब अक्षय हो जाता है।

शुभ कार्यों या दान-पुण्य के अलावा आज के दिन पितरों के निमित्त तर्पण और पिंडदान करने का भी महत्व है। आज के दिन पितरों के लिए घट दान, यानि जल से भरे हुए मिट्टी के बर्तन का दान जरूर करना चाहिए। गर्मी के इस मौसम में जल से भरे घट दान से पितरों को शीतलता मिलती है और आपके ऊपर उनका आशीर्वाद बना रहता है।

बता दें कि अक्षय तृतीया के दिन विशेष रूप से भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। आज के दिन चंदन से श्री विष्णु भगवान की पूजा की जाती है। आज के दिन ऐसा करने से व्यक्ति के जीवन में खुशहाली आती है और परिवार में सबके बीच आपसी सामंजस्य बना रहता है। अत: अगर आप भी अपने जीवन में खुशहाली और परिवार में सबके बीच आपसी सामंजस्य बनाये रखना चाहते हैं तो आज के दिन स्नान आदि के बाद, साफ-सुथरे वस्त्र धारण करके आपको भगवान विष्णु की विधिपूर्वक चंदन से पूजा करनी चाहिए।

अक्षय तृतीया का यह दिन क्षमाप्रार्थना का दिन माना जाता है। कहते हैं आज के दिन कोई व्यक्ति अपने या अपनों के द्वारा किये गये जाने-अनजाने गलतियों के लिए सच्चे मन से भगवान से क्षमा प्रार्थना करे, तो उसकी सारी गलतिया धुल जाती हैं और उसे भगवान से सदगुण का आशीर्वाद प्राप्त होता है। अत: जाने-अनजाने की गई अपनी गलतियों की क्षमा याचना के लिए आज का दिन बड़ा ही श्रेष्ठ है।

अक्षय तृतीया क्यों माना जाता है खास?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अक्षय तृतीया के दिन ही सतयुग और त्रेतायुग की शुरुआत हुई थी। इसके अलावा वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया को परशुराम जयंती भी मनाई जाती है। माना जाता है कि इसी दिन परशुराम जी का जन्म हुआ था। आज के दिन रात्रि के प्रथम प्रहर में यानि सूर्यास्त होने के तुरंत बाद परशुराम जी की प्रतिमा की पूजा की जाती है। भारत के दक्षिणी हिस्से में इसे विशेष रूप से मनाया जाता है। इसके अलावा अक्षय तृतीया के दिन ही वृंदावन स्थित श्री बांके बिहारी जी के मंदिर में भी केवल आज अक्षय तृतीया के दिन ही श्री विग्रह के चरण दर्शन होते हैं।

वहीं इसके साथ ही आज ही के दिन उत्तराखंड में अलकनन्दा नदी के तट पर स्थित प्रसिद्ध तीर्थस्थल बद्रीनारायण के कपाट भी खुलते हैं। दरअसल नवंबर के आस- पास लगभग छ: महीनों के लिए बद्रीनारायण के कपाट बंद कर दिए जाते हैं और आज अक्षय तृतीया के दिन इन कपाट को खोल दिया जाता है लेकिन आपको बता दें कि कपाट बंद रहने के दौरान भी मंदिर के अंदर अखंडज्योति जलती रहती है।

दरअसल जिस दिन मंदिर के कपाट बंद किये जाते हैं, उसी दिन एक बड़े-से दीपक में छ: महीने तक के लिए पर्याप्त घी भरकर अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित की जाती है और उस दिन भी विशेष रूप से बद्रीनारायण भगवान की पूजा की जाती है। फिर उसके बाद भगवान की मूर्ति को मंदिर से लगभग 40 मील दूर ज्योतिर्मण के नरसिंह मंदिर में रख दिया जाता है। फिर आज अक्षय तृतीया के दिन फिर से कपाट खुलने पर मूर्ति को बद्रीनारायण मंदिर में ही वापस रख दिया जाता है। इस अवसर पर बद्रीनारायण भगवान की विशेष रूप से पूजा की जाती है और श्रद्धालुगण दूर-दूर से भगवान के दर्शन करने और अखण्ड ज्योति को देखने के लिए आते हैं।

सांप के काटने पर डाक्टर के पास जाएं

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. वानखेड़े ने किया आह्वान

गोंदिया-मानसून आते ही सांपों के काटने के मामले भी बढ़ जाते हैं. बरसात का मौसम शुरू होते ही कुछ सांपों का प्रजनन काल शुरू हो जाता है. इसलिए भारी बारिश के कारण सांपों के बिलों में पानी जमा हो जाता है. मानसून के दौरान सांप अपने बिलों से बाहर आते हैं और आश्रय की तलाश करते हैं. सुरक्षित जगह की तलाश में सांप अक्सर घर के किसी छिपे हुए कमरे या घर के आसपास कहीं शरण लेते हैं. हम बिना वजह के वहां जाते हैं और सांप काट लेते हैं. कई लोग सांप के काटने के बाद डर जाते हैं. जहर उतारने मांत्रिक के पास जाते है गांव में आज भी सांप के काटने पर जहर उतारने के लिए मांत्रिक के पास ले जाया जाता है. जिससे व्यक्ति की जान भी जा सकती है. सांप काटने के बाद मांत्रिक के पास नहीं जाते हुए वैज्ञानिक तकनीकी डाक्टरों के पास जाने पर ध्यान देने की अपील की जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. नितिन वानखेड़े ने की है.

दो क्रिकेट सटोरिये गिरफ्तार

गोंदिया-तिरोड़ा पुलिस ने आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान नागरिकों से ऑनलाइन सट्टा ले रहे दो लोगों को मुंडीकोटा से गिरफ्तार किया है. उनके पास से 46 हजार रु. बरामद किए गए. इस समय आईपीएल क्रिकेट मैच चल रहे हैं और जिले में भी हर मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाया जा रहा है. इसके लिए पड़ोसी राज्यों और जिलों के सट्टेबाजों ने ग्रामीण इलाकों में भी जाल बुना है. तिरोड़ा तहसील के मुंडीकोटा के डा. आंबेडकर चौक पर दो व्यक्ति ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खेल रहे है, ऐसी जानकारी स्थानीय क्राइम ब्रांच को मिली. हवलदार इंद्रजीत बिसेन ने अपने सहयोगियों के साथ छापेमारी कर तुमसर निवासी प्रशांत गभने (23) और वीरेंद्र कठाने (34) को गिरफ्तार किया. उनके पास से 5 मोबाइल फोन और 3 हजार 900 रु. नकद ऐसे कुल 45 हजार 905 रु. माल जब्त किया है. जांच हवलदार बांते कर रहे हैं.

मुख्याधिकारी पर मामला दर्ज करें-अजीत बाबा समाधि चौक मैदान का मामला

साकोली-स्थानीय प्रभाग क्रमांक 5 में अजीत बाबा समाधि चौक का मैदान पिछले 35-40 वर्षो से नागरिकों के लिए खुला था और नगर परिषद ने नागरिकों एवं बच्चों के लिए खुला जिम स्थापित किया था. लेकिन कुछ दिनों से इस स्थान पर खुले जिम के पास असामाजिक तत्व द्वारा गलत काम की घटना होने की जानकारी नगर परिषद को दी थी, इसलिए वहां लगे जिम के साहित्य निकालें जायें का निवेदन किया गया. वहीं वो ग्रिन जिम के साहित्य क्यों निकालें गये, वह साहित्य जिर्ण व्यवस्था होने से वह निकालकर नए साहित्य लगाने के उद्देश्य से निकलें गए इस विषय को लेकर स्थानीय पंचशील वार्ड की महिलाओं द्वारा बार-बार निवेदन नप को सौंपा गया था. नए झूले क्यों नहीं लगाए गए तथा हर बार उन्हें आश्वासन दिया गया की दो दिन बाद कार्रवाई की जाएगी. इस घटना को 2 महीने बीत जाने के बाद भी कार्रवाई नहीं की जाने के कारण उन्हें डर था कि कहीं जमीन हड़पने की साजिश तो नहीं हो रही है. दोनों पक्षों द्वारा बार-बार निवेदन दिए जाने के कारण 2 मई मंगलवार को मुख्याधिकारी एवं अन्य नप के कर्मचारियों को लेकर अजीत बाबा समाधि चौक में मौके पर जांच के लिए जाने पर मुख्याधिकारी ने कहा कि, डा.

बाबासाहब आंबेडकर जयंती के अवसर पर होने वाले कार्यक्रम में वह तमाशा नहीं है क्या, और कुछ अपशब्द बातें कही, इस बात को लेकर डा. बाबासाहब आंबेडकर स्मारक समिति के सदस्यों द्वारा नप के मुख्याधिकारी पर फौजदारी अपराध दर्ज किया जाए की मांग को लेकर स्थानीय पुलिस स्टेशन में स्मारक समिति के सदस्य, ग्रामवासी, डा. बाबासाहब आंबेडकर समिति के प्रमुख मार्गदर्शक एवं सामाजिक कार्यकर्ता परमानंद मेश्राम के नेतृत्व में निवेदन सौंपा गया. इस अवसर पर शिला वासनिक, विशाल गजभीये, तनोजा नागदेवे, विक्की राऊत, बंडू गणवीर, निलेश घरडे आदि उपस्थित थे. जब तक मुख्याधिकारी पर कार्रवाई नहीं होती तब तक वहीं पर ठिय्या आंदोलन करेंगे. अन्यथा साकोली बंद की जाएगी की चेतावनी भी दी है. इस बात पर साकोली पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक रमाकांत कोकाटे द्वारा इस पर वरिष्ठों से चर्चा करने के बाद कार्रवाई करेंगे. लेकिन आंदोलनकारी जनता अपने बात पर अड़ी रही.

पुलिस स्टेशन के बाहर ठिय्या लगाकर बैठे थे आंदोलनकारी

इस पर क्या कार्रवाई होगी इसका खुलासा नहीं होने से आंदोलनकारी पुलिस स्टेशन के बाहर ठिय्या लगाकर बैठे थे. लेकिन रात करीब 8 बजे साकोली के उप विभागीय पुलिस अधिकारी, पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक एवं स्मारक समिति मार्गदर्शक राज्य सचिव मंडल सदस्य कामरेड शिवकुमार गणवीर, परमानंद मेश्राम एवं अन्य की पुलिस स्टेशन में बैठक हुई है. जिसमें दोनों पक्ष की इस विषय में जांच कर उचित निर्णय लिया जाएगा और तीन-चार दिन का समय देने के लिए तय किया गया. इसी प्रकार पंचशील वार्ड निवासी एक व्यक्ति महिलाओं को गलत शब्दों में बोले जाने पर उस पर मामला दर्ज किया गया. दोनों पक्षों से शांति सुरक्षा बनाए रखी जाए की अपील की गई तथा प्रकरण की जांच पूरी होने तक कोई भी अनुचित प्रकार न हो इस पर ध्यान देने के लिए दोनों पक्षों से कहा गया.

बेमौसम बारिश का फिर कहर

» खेतों में पड़ी फसलें हो रहीं बर्बाद, किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें

गोंदिया-गोंदिया तहसील में मंगलवार की शाम 5 बजे के लगभग फिर से बेमौसम बारिश प्रारंभ हो गई. बेमौसम बारिश क्षेत्रीय किसानों के लिए कहर बनकर टूट पड़ी है. इसके चलते क्षेत्रीय किसानों की सैकड़ों एकड़ की फसलें खराब हो रही हैं. शाम 6 बजे तक बारिश का दौर जारी रहा. तेज हवा के साथ लगातार हुई बारिश ने हर जगह पानी ही पानी कर दिया. वहीं पानी खेतों में खड़ी व काटकर रखी फसलों के लिए बरबादी का कारण बन गया है. किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा रही हैं. लगातार बैमौसम बारिश के कारण किसानों की हालत खराब हो गई है. इसके साथ ही जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है. शाम 5 बजे से लेकर 6 बजे तक झमाझम बारिश हुई. लगातार बारिश के कारण लोगों का घरों से निकलना दूभर हो गया. किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि मई में बारिश के मौसम की तरह पानी बरसेगा. इस तरह हवा और पानी के कारण क्षेत्रभर की रबी की धान की फसलें आड़ी होकर काफी हदतक चौपट हो गई हैं. वहीं कटी हुई फसल भी बर्बाद हो रही है. वहीं तेज बारिश के कारण पानी किसानों के खेतों में भर जाने के कारण उन फसलों के सड़ने का खतरा मंडराने लगा है. तेज आंधी तूफान ने फसल को खेतों में ही गिरा दिया है. बेमौसम बारिश के चलते बड़ी मात्रा में किसानों को नुकसान की आशंका जताई जा रही है. हालांकि क्षेत्र में कहां कितना नुकसान हुआ, इसका आंकलन नहीं हो पाया है.

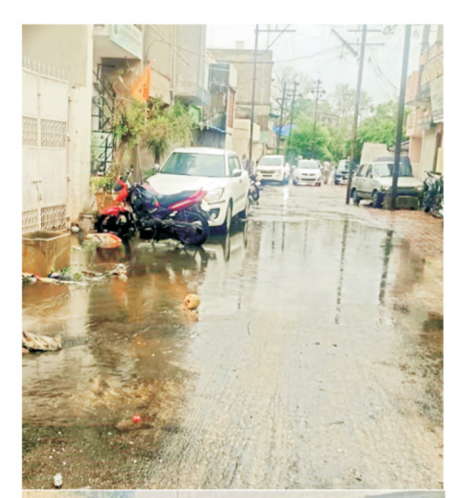

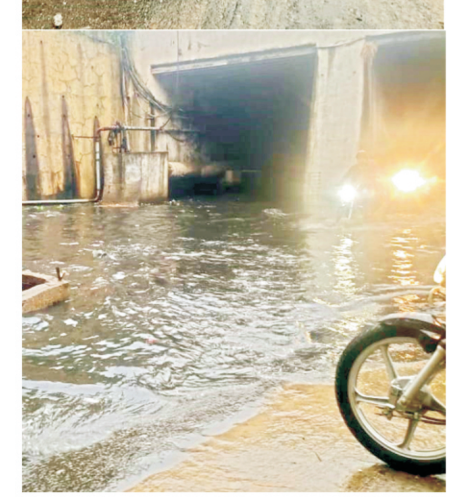

अंडर ग्राउंड मार्ग बंद

गोंदिया शहर का छोटा उड्डान पुल गिराए जाने से शहर का ज्यादा तर यातायात अंडर ग्राउंड की ओर मोड़ दिया गया. जोरदार बारिश के कारण अंडर ग्राउंड में 2 से 3 फीट पानी भर गया. जिससे कुछ देर के लिए यातायात बाधित हो गया था. उल्लेखनीय यह है कि यह समस्या बारिश के दौरान जारी रहती है. जिले में मंगलवार की शाम आंधी तूफान के साथ बेमौसम बारिश हुई. जिससे गोंदिया तहसील के आम के बगीचे में आम की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है.

अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में 3 घायल

गोंदिया-दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं ओं में में 3 लोग घायल हो गए. जिसमें पहली घटना गंगाझरी थाने के तहत मजीतपुर के पास घटी. इस घटना में दांडेगांव निवासी पुरूषोत्तम तुलाराम कालसर्पे (57) तथा गंगाझरी निवासी सरला नारायण कलसे (48) मोटरसाइकिल क्र. एमएच 35 एटी 7635 से दांडेगांव से गोंदिया जा रहे थे. इस दौरान गोंदिया से तिरोड़ा जा रहे चौपहिया वाहन क्र. एमएच 35 एआर 8050 के चालक ने तेज गति व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उनके - वाहन को सामने से टक्कर मार दिया. - जिसमें पुरूषोत्तम के पैर व पेट के पास - गंभीर चोटे आ गई. वहीं दोपहिया वाहन में - पीछे बैठी सरला कलसे के दोनो हाथ और सिर पर मामुली चोट लगी है. फिर्यादी सुरेखा छबिलाल गुज्जर (36) की शिकायत पर गंगाझरी पुलिस ने भादंवि की धारा 279, 337, 338 के तहत मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार शामकुमार देशपांडे कर रहे है.

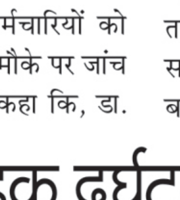

दुसरी घटना केशोरी थाने के तहत कुरखेडा में घटी. इस घटना में मोटरसाइकिल वाहन क्र. एमएच 35 एल 5601 को अज्ञात वाहन के चालक ने तेज गति व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए सामने से टक्कर मार दिया. जिसमे महेश गणेश फुन्ने घायल हो गया. जानकारी के अनुसार महेश फुन्ने नवेगांवबांध से कुरखेडा जा रहा था. इस दौरान विपरित दिशा से आ रहे अज्ञात वाहन के चालक ने उसके मोटरसाइकिल को सामने से टक्कर मार दिया. जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया. फिर्यादी प्रतिक उमेंद्र शरणागत (20) की शिकायत पर केशोरी पुलिस ने भादंवि की धारा 279, 337 के तहत मामला दर्ज किया है. मामले की जांच हवलदार होडी कर रहे है.

बोगस बीज बिक्री करनेवालों पर रहेगी नजर

जिले की हर तहसील में रहेगा उड़न दस्ता

ष्व गोंदिया, ब्यूरो. खरीफ मौसम नजदीक आ रहा है, ऐसे में कृषि विभाग के माध्यम से बीज और खाद की आपूर्ति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. इसके साथ ही किसानों को अच्छी गुणवत्ता के बीज और खाद सही कीमत पर मिले, इसके लिए कृषि विभाग ने 8 तहसीलों में 8 जिला स्तर पर एक टीम का गठन किया है. उल्लेखनीय है कि फिलहाल किसान रबी मौसम की धान फसल की कटाई और चुराई के कार्य में व्यस्त है. रबी फसल की कटाई के बाद किसान खरीफ मौसम की फसल का उत्पादन लेने की तैयारी में रहते हैं. जून माह में बारिश शुरू होते ही किसान बीज खरीदने के लिए कृषि बीज दुकानों के सामने लंबी कतारों में नजर आएगे. जून माह में किसान अधिक संख्या में बीज खरीदते हैं. इसलिए किसानों को बोगस बीज देने की संभावना अधिक होती है. परिणामस्वरूप किसान ठगे जाते हैं और फसलें चौपट हो जाती हैं. इसी को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग ने इस वर्ष बोगस बीज व खाद की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए विशेष उड़नदस्तों का गठन किया है. उक्त टीम फर्जी बीज व खाद बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगी. साथ ही कृषि केंद्र जाकर बीज की जांच भी करेंगे. घटिया बीज और खाद पाए जाने पर केंद्र केंद्रों पर कार्रवाई करने की सूचना भी दी गई है. उसी प्रकार कृषि विभाग ने खरीफ मौसम में 1 लाख 93 हजार हेक्टेयर पर विविध फसलों की रोपाई का नियोजन किया है. इसके लिए खाद, बीज की मांग भी की है.

2 युवकों ने किया आत्महत्या का प्रयास

गोंदिया-अर्जुनी मोरगांव तहसील के दाभना निवासी विलास बावने (24) ने जहर पी लिया. उसे चंद्रपुर जिले के ब्रह्मपुरी में भर्ती कराया गया था. लेकिन उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उसे गोंदिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है. शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया. वहीं दूसरी घटना दवनीवाड़ा थाने के तहत साइटोला में घटी. साइटोला निवासी राम बिरनवार (24) ने जहर पीकर आत्महत्या का प्रयास किया. उसे गोंदिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है. शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

व्यापारी कम दाम में खरीद रहे महुआ फूल

गोंदिया–गोंदिया जिला जंगल व्याप्त है. इस जिले के आदिवासियों का जीवन अधिकत्तर वनोपज पर ही निर्भर रहता है. स्थानीय आदिवासी जंगलों से वनोपज चुनकर वन व्यवस्थापन समितियों को बेचते हैं. जिले के अनेक तहसील की वनप्रबंधन समितियों के पास निधि ही उपलब्ध नहीं होने के कारण वह स्थानीय नागरिकों से वनोपज नहीं खरीद पा रहे हैं. जिससे आदिवासियों को मजबूरी में व्यापारियों को अल्प कीमत में वनोपज बेचने की नौबत आन पड़ी है. हाल ही में जिले में महुआ फूल संकलन का सीजन समाप्त हुआ है. ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्र के लोग जंगल से महुआ फूल चुनकर लाने के बाद उन्हें सुखाकर बेचने के लिये तैयार रखते हैं. वहीं अच्छा दाम मिलने पर महुआ फूल को बेच देते हैं. ऐसे में अब महुआ फूल सूख जाने के कारण व्यापारी वर्ग महुआ फूल खरीदने के लिए आदिवासियों के घरों तक पहुंच रहे हैं. लेकिन व्यापारी भी अल्प दाम में खरीदकर आदिवासियों की वित्तीय लूट कर रहे है. आदिवासियों की मांग है कि वनविभाग इस ओर गंभीरता से ध्यान देकर वन प्रबंधन समितियों के खाते में निधि जमा करें. साथ ही वन व्यवस्थापन समितियां स्थानीय नागरिकों से वनोपज खरीदे. सालेकसा, सड़क अर्जुनी तहसील पूरी तरह आदिवासी बहुल और जंगल क्षेत्र में बसी है.

वनोपज पर निर्भर है तहसील के लोगों का जीवन तहसील में किसी भी तरह का उद्योग नहीं होने के कारण अधिकतर लोग खेती व्यवसाय कर अपना जीवनयापन करते हैं. इन तहसील के आदिवासी नागरिक बारह माह जंगल से मिलनेवाले वनोपज पर ही अपना जीवनयापन करते हैं. स्थानीय नागरिक जंगल से महुआ फूल, महुआ बीज, हिरड़ा, बेहला, तेंदूफल, चारा समेत अन्य वनोपज का संकलन करते हैं. वनोपज बेचकर मिलनेवाले पैसों से अपने जीवनयापन की सामग्री खरीदते हैं. जिससे दुर्गम क्षेत्र के आदिवासियों का जीवन जंगल पर निर्भर होता है.

16 मई से स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां पहले 2 मई से होना था अवकाश

गोंदिया–पहले यह घोषणा की गई थी कि स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां 2 मई से शुरू होंगी. लेकिन, छुट्टियों में सामंजस्य नहीं होने के कारण मुख्य कार्यकारी अधिकारी के निर्देशानुसार शिक्षा अधिकारी सुधीर महामुनि ने पत्र जारी कर कहा है कि 2 मई के बजाय 16 मई से छात्र–छात्राएं अवकाश पर रहेंगे. साथ ही स्कूल 26 जून से शुरू होंगे. इस फैसले से शिक्षकों की छुट्टियों की योजना बाधित हो गई है. जिला प्रशासन व जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के मार्गदर्शन व सरकारी परिपत्र के अनुसार शिक्षा अधिकारी सुधीर महामुनि ने शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए छुट्टियों की घोषणा की है. इसके मुताबिक 2 मई से स्कूलों में छुट्टियां होनी थीं. छुट्टियां 2 मई से शुरू होंगी, इसलिए शिक्षकों ने विभिन्न कार्यक्रमों, यात्रा आदि की योजना बनाई थी. लेकिन छुट्टियों से दो दिन पहले 30 अप्रैल को शिक्षाधिकारी ने एक पत्र जारी कर छुट्टियों की घोषणा कर दी. इसमें कहा गया है कि अगर स्कूलों में 2 मई से छुट्टियां दी जाएंगी तो छुट्टियां ज्यांदा होगी, इसलिए 16 मई से गर्मी की छुट्टियां शुरू हो जाएंगी. यह भी कहा गया है कि इस अवधि में शिक्षक नियमित रूप से स्कूल आएं, अवकाश के दौरान शिक्षक सेवा ले सकते हैं, इसमें यह भी कहा गया है कि शिक्षक जिला नहीं छोड़ सकते.

अधिवक्ता संघ का हुआ शताब्दी वर्ष समारोह

गोंदिया–गोंदिया जिला बार एसोसिएशन ने एसोसिएशन के शताब्दी वर्ष पर न्यायालय परिसर में शताब्दी वर्ष समारोह का आयोजन किया. इस दौरान नवनियुक्त जिला बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी का गठन किया गया. इस अवसर पर जिला सत्र प्रमुख न्यायाधीश अरविंद वानखेडे, न्यायमूर्ति लवटे, वाघमारे, बार एसोसिएशन के नवनियुक्त अध्यक्ष एड. टी. बी. कटरे के साथ बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित थे. नवनियुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एड. टी. बी. कटरे, उपाध्यक्ष एड. मेघा रहांगडाले, सचिव एड. रुपेश कटरे, सहसचिव एड. वी. आर. रहांगडाले, कोषाध्यक्ष एड. शेख, एड. वैशाली उके, एड. दर्शना रामटेके, एड. प्रविण बनोटे, एड. वेदांत पांडे, एड. कांचन ठाकरे का पदस्थापना समारोह आयोजित किया गया. इस अवसर पर जिला मुख्य न्यायाधीश सहित बार एसो. अध्यक्ष ने उपस्थित सभी अधिवक्ताओं को उचित मार्गदर्शन दिया. उन्होंने न्याय व्यवस्था को पारदर्शी ढंग से चलाने सहयोग का भी आह्वान किया. संचालन एड. ओ. जी. मेठी ने व आभार एड. विश्वनाथ रहांगडाले ने माना.

30 वर्ष से नौकरी के लिए भटक रहा शहीद का बेटा

सालेकसा– वर्ष 1992 में जम्मू- कश्मीर की सीमा पर आतंकी हमले में शहीद जवान (केंद्रीय रिजर्व पुलिस वल) ज्योतिसिंह नागपुरे के पुत्र नर्मदाप्रसाद 30 वर्ष से नौकरी के लिए भटक रहा है. उसे अनुकंपा पर नौकरी मिलने की उम्मीद थी. तहसील के पानगांव निवासी ज्योतिसिंह नागपुरे की चार वर्ष की सेवा पूरी हुई थी, कि वर्ष 1992 में जम्मू में हुए आतंकी हमले में शहीद हो गए. उस दौरान उनके परिवार में पत्नी कौशल्या नागपुरे, दो वर्षीय बेटा नर्मदाप्रसाद थे. पत्नी सात माह की गर्भवती थी. ज्योतिसिंह के शहीद होने के बाद पत्नी कौशल्या को निरक्षर होने से अनुकंपा पर नौकरी नहीं मिली. इससे कौशल्या ने अपने बेटे एवं बेटी को अच्छी शिक्षा दिलाकर उनके लिए नौकरी का मार्ग खुला कर दिया. बेटे ने एमएससी तक शिक्षा पूरी की, जिसके बाद वर्ष 2015 से अनुकंपा पर नौकरी के लिए आवेदन कर रहा है. उसे एक बार चतुर्थ श्रेणी की नौकरी का अवसर मिला, लेकिन उसने अपनी योग्यता को देखते हुए नौकरी से इनकार कर दिया. उसे कम से कम लिपिक की नौकरी की उम्मीद थी. इसके अलावा शहीद के परिवार को सरकार की ओर से पेट्रोल पंप भी आवंटित नहीं किया गया है.

खेती कर पाल रहा परिवार

ज्योतिसिंह की बेटी ने स्नातक के बाद डी.एड. की शिक्षा ली, लेकिन उसे भी नौकरी नहीं मिली. उसका विवाह हो गया है. बेटे नर्मदाप्रसाद का भी विवाह हो गया. उसके दो बच्चे हैं. नर्मदाप्रसाद पिता की जमीन पर खेती कर परिवार का पालन–पोषण कर रहा है. उसके परिवार ने किसी भी विभाग में अच्छी नौकरी देने की मांग की है.

तेंदूपत्ता तोड़ने गई महिला की करंट लगने से मौत

दवनीवाड़ा पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है

गोंदिया –दवनीवाड़ा पुलिस लोकमत न्यूज नेटवर्क थाना अंतर्गत आने वाले खलबंदा के वन क्षेत्र में 2 मई को तेंदूपत्ता संग्रहण करने गई एक महिला की करंट लगने से मौत हो गई. हालांकि, अज्ञात आरोपी उसके शव को जंगल में ले गए, ताकि ऐसा न लगे कि मौत करंट लगने से हुई है. मृत महिला की पहचान जयवंता दशरथ देशमुख (62, निवासी खलबंदा) के रूप में की गई है। 2 मई को सुबह 5:30 बजे जयवंता तेंदूपत्ता काटने के लिए खलबंदा गांव के पास वन क्षेत्र में गई थी। शाम होने के बाद भी जब वह घर नहीं लौटी तो उसके लापता होने की सूचना दावानीवाड़ा पुलिस को दी गई। 3 मई की सुबह 6.00 बजे उसका शव खलबंदा जंगल में मिला. अज्ञात आरोपी ने खेत में अवैध रूप से करंट प्रवाहित कर दिया था। करंट लगने से उसकी मौत हो गई. लेकिन, यह मामला उनके हाथ न आए इसके लिए अज्ञात आरोपियों ने उसके शव को खेत से उठाकर जंगल में ले गए. 4 मई को अशोक दशरथ देशमुख (44) की शिकायत के आधार पर दावानीवाड़ा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 304, 201 के तहत मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक महेश राठौड़ कर रहे हैं।

सूर्यदेव मांडोदेवी देवस्थान में 81 जोड़ों का विवाह संपन्न

गोंदिया– हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 17 अप्रैल 2024 को रामनवमी के शुभ अवसर पर श्री सूर्यदेव मांदोदेवी देवस्थान बघेड़ा/तेढ़ा की ओर से सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। इसमें 81 जोड़ों का पंजीयन कर विवाह कराया गया। हर वर्ष रामनवमी के शुभ दिन पर नि:शुल्क सामूहिक उत्सव का आयोजन किया जाता है। इस साल इस विवाह समारोह का 32वां साल है. शादी करने वाले हर दूल्हा–दुल्हन को जरूरी सामान, कपड़े और सोने का मंगलसूत्र दिया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा कि समय और धन की बचत के लिए सामूहिक विवाह के आयोजन की जरूरत है. संस्थान को सामाजिक न्याय विभाग का फुले, शाहू, अम्बेडकर पुरस्कार प्राप्त करने वाला मध्य भारत का पहला धार्मिक संस्थान माना जाता है, जो हर साल कई धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए महाराष्ट्र सरकार का सर्वोच्च सम्मान है। जिसमें सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार किया जाता है। मांडोदेवी मंदिर मध्य भारत का एक प्रसिद्ध पर्यटक और तीर्थ स्थल है और यहां नियमित रूप से 3 से 4 हजार भक्त और पर्यटक आते हैं। इस जगह पर 50 से अधिक दुकानें और होटल हैं और रोजगार पैदा कर रहे हैं। यह संस्था हर वर्ष स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल एवं अन्य मार्गदर्शन शिविरों के लिए प्रसिद्ध है। विवाह सुविधाएं हर दिन उपलब्ध हैं और हर साल लगभग 500 जोड़ों का विवाह होता है। अब तक इस संस्था के माध्यम से हजारों से अधिक जातीय और अंतरजातीय विवाह संपन्न हो चुके हैं। संस्था के अध्यक्ष विधायक विनोद अग्रवाल ने विवाह समारोह का समुचित मार्गदर्शन किया जबकि सचिव जिला परिषद सदस्य डॉ. लक्ष्मण भगत, उपाध्यक्ष भैयालाल सिंदराम, कोषाध्यक्ष विश्वनाथ असाटी, सह सचिव कुशन घासले, सदस्य श्री डॉ. जितेंद्र मेंढे, शालिकराम उइके, सखाराम सिंदराम, दिलीप खंडेलवाल, राहुल अग्रवाल और मंदिर के पुजारी पंडित अयोध्यादास महाराज ने लगन से काम किया।

बाइक सहित चोर को किया जीआरपी गोंदिया के सुपुर्द

गोंदिया–गोंदिया रेलवे स्टेशन से मोटरसाइकिल चोरी करने वाले आरोपी को मंडल सुरक्षा आयुक्त दीपचंद्र आर्य नागपुर के निर्देश में गठित मंडल टास्क टीम ने पकड़ा. आरोपी का नाम बालाघाट जिले के लांजी निवासी राजकुमार उर्फ मोतीलाल नेवारे (22) बताया गया है. आरोपी को मोटरसाइकिल सहित जीआरपी गोंदिया के सुपुर्द किया गया. मंडल सुरक्षा आयुक्त दीपचंद्र आर्य के निर्देश पर उनके द्वारा गठित मंडल टास्क टीम को 4 मई को पोस्ट प्रभारी गोंदिया वी.के. तिवारी के मार्गदर्शन में टीम के उप निरक्षक विनेक मेश्राम, प्रधान आरक्षक एच.आर. लाडे, एस.के. सिंह, राजेंद्र रायकवार, आरक्षक प्रीतम और अगुशा के आरक्षक नासीर पठान विगत दिनों से चोरी की घटनाओं के प्रकाश में आने के मद्देनजर बाइक चोरी की घटना की सूचना को गंभीरता से लेते हुए, सुचना के आधार पर तथा आमगांव स्टेशन में मंडल सुरक्षा आयुक्त के लगातार प्राप्त निर्देशन में टीम के अथक प्रयासों से एक संदिग्ध लांजी निवासी राजकुमार उर्फ मोतीलाल नेवारे (22) को मोटरसाइकिल क्र. एमएच 35 – टी 7713 के साथ पकड़ा गया. वाहन को आरोपी ने गोंदिया स्टेशन रेलवे परिसर से चुराया था. बरामद गाड़ी का अध्ययन करने पर भादंवि की धारा 379 जीआरपी गोंदिया में दर्ज पाया गया. जिसकी कीमत 12000 रु. बताई गई है. पकडा गया आरोपी मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले का शातीर अपराधी है. जिसके विरुद्ध विभिन्न थानों में चोरी के प्रकरणों की होने की जानकारी है. आरोपी से अन्य प्रकरण उजागर होने की प्रबल संभावना है. उक्त आरोपी को दर्ज प्रकरण में जीआरपी गोंदिया को बरामद संपत्ति के साथ लिखित रूप से सुपुर्द किया गया.

16,270 संदिग्ध क्षय रोगियों की जांच

गोंदिया–सरकार और स्वास्थ्य विभाग क्षय रोग उन्मूलन के लिए जनजागरूकता के साथ–साथ विभिन्न कार्यक्रम चला रही है. इसके तहत निजी अस्पतालों में नि:शुल्क एक्स–रे सुविधा प्रदान की गई है और वर्ष 2023–24 में जिले के 16 हजार 270 संदिग्ध व्यक्तियों को इस सुविधा से लाभ मिला है. राष्टीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत शासन के दिशा निर्देशानुसार जिले में समय–समय पर क्षय रोग पहचान अभियान चलाया जाता है. जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य कर्मियों व आशा सेवकों के माध्यम से जन जागरूकता व क्षय रोग पहचान अभियान चलाया जा रहा है. उपकेंद्र के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, स्वास्थ्य नर्स, आशा सेविका या आपके निकटतम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी द्वारा स्वास्थ्य संस्थान में गृह भ्रमण के दौरान दो से अधिक खांसी वाले संदिग्ध लोगों की खोज अभियान चलाकर सप्ताह, दो सप्ताह से अधिक समय तक बुखार और वजन में कमी, स्वास्थ्य संस्थान में खांसी से खून की जांच की जाती है. साथ ही सरकार से संबद्ध निजी अस्पताल में तपेदिक के लिए छाती के एक्स–रे का भी जिक्र किया गया है. गोंदिया जिले के सभी आठ तहसीलों में 14 स्थानों पर सरकार से संबद्ध निजी अस्पतालों में तपेदिक के संबंध में छाती के एक्स–रे की सुविधा प्रदान की गई है. इन अस्पतालों में वर्ष 2023–24 में सरकार की मुफ्त एक्स–रे योजना से 16 हजार 270 संदिग्ध लोगों को लाभ मिला है. दो सप्ताह से अधिक खांसी, दो सप्ताह से अधिक बुखार और वजन कम होने वाले मरीज, खांसी के साथ खून आने वाले संदिग्ध लोग स्वास्थ्य संस्था या नजदीकी आशासेविका के माध्यम से अपने सरकारी मान्यता प्राप्त निजी अस्पताल में जाएं और सरकारी योजना का लाभ उठाएं, ऐसा आह्वान जिला क्षयरोग अधिकारी डा. अभिजि गोल्हार ने किया है.

मानसून से पहले पशुओं को टीके लगाने की अपील

गोंदिया–बरसात के मौसम में गाय–भैंसों की बर्बीमारियों के बढ़ने का डर अधिक रहता है. समय पर उपचार नहीं मिलने पर पशुधन की मृत्यु हो सकती है. इस बीमारी से बचाव के लिए पशुपालन विभाग ने मई से तहसील में टीकाकरण अभियान शुरू किया है. बरसात के दिनों में पशुओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़नी चाहिए. साथ ही पशुओं में होने वाली बीमारियों पर काबू पाया जा सके, इसके लिए पशुपालन विभाग की ओर से प्री- मानसून टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है. अभियान के तहत 3 महीने से अधिक उम्र की गाय और भैंस के बछड़ों को भी टीका लगाया जा रहा है. पशुपालन / विभाग की ओर से अपील की गई है कि पशुपालक अपने पशुओं का टीकाकरण कराएं. साथ ही गांव–गांव तक टीकाकरण अभियान चलने से भी सुविधा होगी.

जिले में वैक्सीन उपलब्ध –प्रथम चरण ने में गांठदार त्वचा रोग के 1 लाख 39 हजार –. 700 टीके पशुपालन कार्यालय को 3 उपलब्ध हैं. साथ ही घटसर्प रोग के लिए 2 लाख 15 हजार 350 टीके दिए गए हैं. क एकल रोग के लिए 48 हजार 950 टीके, भैंस रोग के लिए 39 हजार तथा बकरियों व भेड़ों के लिए 11 हजार टीके उपलब्ध कराए गए हैं. मुंहखुर व पैरखुर के 54 हजार 950 टीके उपलब्ध हैं.

बारिश में घटसर्प, फरया रोग की संभावना

गांठदार त्वचा रोग को फैलने से रोकने अब तक 10 हजार 700 गायों को टीका लगाया जा चुका है. मानसून के दौरान गाय, भैंस में घटसर्प, फरया रोग से प्रभावित होने की संभावना सबसे अधिक होती है. इसके चलते पशुपालकों को अपने पशुओं का टीकाकरण नजदीकी पशु चिकित्सालय में करवाना चाहिए. पशुधन के लिए आधार कार्ड बनवा लें.

डा. कांतिलाल पटले, जिला पशुपालन अधिकारी,

नायलॉन मांजा बेचने वाले पर .कोर्ट ने लगाई जुर्माने की सजा

गोंदिया–आमगांव के आरोपी दशरथ सीताराम डेकाटे को 450 रु. जुर्माना व जुर्माना अदा न करने पर 11 दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई गई है.

आमगांव के तुकडोजी चौक के दशरथ सीताराम डेकाटे 11 जनवरी 2024 को रात 8.40 बजे अपनी दुकान से नायलॉन मांजा बेच रहे थे, यह जानते हुए कि पर्यावरण और दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरा था. उसके खिलाफ आमगांव पुलिस ने भादंवि की धारा 290, 336 के तहत मामला दर्ज किया था. आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 290 के तहत नायलॉन मांजा रखने और बेचने से उपद्रव पैदा करने और आईपीसी की धारा 336 के तहत दूसरों के जीवन और व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए दंडनीय अपराध करने का दोषी पाया गया. प्रथम श्रेणी न्यायदंडाधिकारी न्यायालय आमगांव ने आरोपी दशरथ सीताराम डेकाटे पर नायलॉन मांजा रखने के लिए धारा 252 सीआरपीसी के तहत 450 रु. का जुर्माना लगाया. जुर्माना अदा न करने पर 11 दिन के साधारण कारावास की सजा दी गई है.

आठ दिनों में रेलवे ओवर ब्रिज का काम शुरू नही हुआ तो करेगे तीव्र आंदोलन-विधायक विनोद अग्रवाल

बुलंद गोंदिया। गोंदिया रेलवे ओवर ब्रिज का मुद्दा गोंदिया की जनता के लिए बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है. यह रोज़ की जीवन से जुड़ा मुद्दा है. पुलिया के पुन: निर्माण हेतु अनेक अड़चनों को दूर कर टेंडर प्रक्रिया पूर्ण की गई, वर्क ऑर्डर किया गया जिसे छह महीने पूर्ण हो चुके है. लेकिन अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है। पुल निर्माण कार्य शुरू हो इसलिए मैंने अनेक बार कांट्रेक्टर से संपर्क किया.लोकनिर्माण विभाग के अधिकारी वर्ग से संपर्क किया. लेकिन कार्य शुरू नहीं हुआ. मुझे थोड़ा संदेह है कि जानबूझकर पुल निर्माण कार्य को किसी अदृश्य शक्ति ने रोक रखा है। मैंने विभाग एवं कांट्रेक्टर को निर्माण स्थल पर बुलाया और संबंधित विभाग, कांट्रेक्टर, प्रशासन एवं सरकार को इशारा दिया की 8 दिन के भीतर अगर कार्य शुरू नहीं हुआ तो तंबू गाड़ कर अनशन करने विधायक विनोद अग्रवाल बैठेगा. एक श्रृंखला बद्ध अनशन की शुरुआत हम करेंगे. उसके बाद भी अगर कार्य शुरू नहीं होता है तो आंदोलन तीव्र किया जाएगा और अगर उसके बाद भी कुछ निर्णय नहीं होता है तो आर पार की लढ़ाई लड़ी जायेंगी।

भीषण गर्मी में पेयजल के लिए महिलाओं को 2 कि.मी का लगाना पड़ रहा फेरा

जल जीवन मिशन योजना का बंटाधार देवरी तहसील के आदर्श ग्राम आमगांव में 6 माह से जलापूर्ति योजना बंद

बुलंद गोंदिया।(संवाददाता देवरी)- देश के हर नागरिक को शुद्ध पेयजल मिले इसके लिए जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत हर घर नल योजना चलाई जा रही है,लेकिन अभी जिले के ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को पेयजल के लिए 2 किलोमीटर से अधिक का फेर लगाना पड़ रहा है। इसी प्रकार का एक मामला देवरी तहसील के आदर्श ग्राम आमगांव में सामने आया है जिसमें 6 माह से जिला पूर्ति योजना बंद की गई है तथा भीषण गर्मी में आदिवासी महिलाओं को पेयजल के लिए भटकना पड़ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवरी तहसील के अंतर्गत अनेक ग्रामों में डेढ़ वर्ष पूर्व करोड़ों रुपए की योजना से जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत कार्य किए गए थे लेकिन अब भी अनेक ग्रामों में जल जीवन मिशन योजना का कार्य अधूरा पड़ा है। जिसके कारण आदिवासी क्षेत्र के नागरिकों को पीने के पानी के लिए इस भीषण गर्मी में कई किलोमीटर के फेरे लगाने पड़ रहे हैं। देवरी तहसील की अंतर्गत आने वाले आदर्श ग्राम आमगांव के आदिवासी नागरिकों के ऊपर यह मुसीबत इस भीषण गर्मी में

आ गई है। आमगांव में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जलापूर्ति योजना का कार्य डेढ़ वर्ष पूर्व शुरू किया गया था किंतु यह योजना का 6 माह से ठप होने के चलते क्षेत्र की आदिवासी महिलाओं को 2 किलोमीटर की दूरी से प्रतिदिन पेयजल लाना पड़ रहा है। इस मामले में जनप्रतिनिधियों की कार्य प्रणाली पर भी प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है, स्थानीय नागरिकों द्वारा योजना के अंतर्गत होने वाले कार्यों की जांच कर इस कार्य में अनियमिता बरतने का आरोप लगाया गया है तथा इस योजना की संपूर्ण जांच कर इसका कार्य करने वाले ठेकेदार पर कार्रवाई करने की मांग की गई है।

देवरी तहसील के अंतर्गत जल जीवन योजना के अंतर्गत अनेक कार्य अधूरे

करीब 1000 करोड रुपए की लागत से संपूर्ण जिले में जल जीवन योजना मिशन के अंतर्गत कार्य किया जा रहा है लेकिन यह कार्य घटिया दर्जे का होने व निम्न स्तर का होने के साथ ही अनेक क्षेत्रों में कार्य जनप्रतिनिधियों के द्वारा ही किए जाने तथा राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं द्वारा किए जाने के चलते कार्यों में की गुणवत्ता हीन होने के साथ ही अनेक क्षेत्रों के कार्य अभी अधूरे पड़े हुए हैं। जिसका जीवंत उदाहरण देवरी तहसील के अंतर्गत आने वाली आदर्श ग्राम पंचायत आमगांव का सामने आया है।

अपडाउन : कार्यालयीन समय में कई कर्मचारी नदारद

जिप कर्मियों को कारण बताओ नोटिस

बुलंद गोंदिया-जिला परिषद मुख्यालय में विभिन्न 16 विभागों में सैकड़ों कर्मचारी कार्यरत हैं. जिला परिषद कार्यालय का समय सुबह 9.45 से शाम 6.15 बजे तक हैं, लेकिन जिला प्रशासन के पास शिकायत आ रही थी कि कुछ कर्मचारी लगातार देरी से आ रहे हैं. जिप सीईओ मुरगानंथम ने सोमवार को कुछ विभागों का दौरा किया. इसमें पाया कि कई कर्मचारी कार्यालय समय के दौरान उपस्थित नहीं थे. इन कर्मचारियों से उनकी उपस्थिति पत्रक मंगाकर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है. इस कार्रवाई से कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है. ष्टश्वह्र ने स्वयं विभिन्न विभागों का किया दौरा: जिप में कार्यरत अधिकांश कर्मचारी मुख्यालय पर नहीं रहते हैं. अपने सुविधाजनक स्थान से अप-डाउन करते हैं. बसों और ट्रेनों के शेड्यूल के अनुसार उनके प्रस्थान और आगमन का समय तय किया जाता है. जिप में ग्रामीण क्षेत्रों से लंबी दूरी से काम के लिए आने वाले नागरिकों को कर्मचारियों के अभाव में इंतजार करना पड़ता है. जिप सीईओ मुरगानंथम ने जिप में शामिल होने के बाद से कर्मचारियों को अनुशासित करना शुरू कर दिया है. इसके अलावा, उन्होंने जिप के विभिन्न विभागों का दौरा किया. कई कर्मचारियों को कार्यालय समय के दौरान अनुपस्थित पाया. ऐसे में पता चला है कि सभी विभागीय कर्मचारियों की उपस्थिति पत्रक मंगाया गया है और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है. इस कार्रवाई से कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है.

रेडक्रॉस पदाधिकारियों ने रेडक्रॉस दिवस मनाया

गोंदिया-जिला रेडक्रॉस पदाधिकारियों ने 8 मई को विश्व रेडक्रॉस दिवस मनाया. संस्थापक सर हेनरी ड्यूनेंट के जन्मदिन पर प्रति वर्ष मनाया जाता है. उपाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल व वरिष्ठ सदस्य उदय प्रमार ने हेनरी ड्यूनेंट व भारत माता के तैलचित्र पर माल्यार्पण किया. मानद सचिव रवि कासलीवाल ने रेडक्रॉस ध्वज पूजन किया. कोषाध्यक्ष नरेश गुप्ता ने रेडक्रॉस की गतिविधियों और इस वर्ष की थीम मानवता को जीवित रखने पर ध्यान केंद्रित किया. इस अवसर पर अदानी पावर सुरक्षा अधिकारी सुहास वाकोदकर व सीए सुशील सिंघानिया ने संबोधित किया. संचालन राजेश दवे ने व आभार डा. ललित जिवानी ने माना. राष्ट्रगान के बाद सभी सदस्य गोंदिया शहर के राष्ट्रीय राजमार्ग प्रवेश द्वार के पास लगे स्वागत बोर्ड के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए. पुलिस मुख्यालय कारंजा चौक में स्थित इस जगह की सभी ने सराहना की. प्रमुख सदस्य गणेश अग्रवाल, डा. श्रीकांत क्षत्रिय, किंजल मेहता, डा. प्रकाश धोटे, मैडम मधु पांडे, अतुल गुप्ता, कैलाश कनोजिया आदि सदस्य उपस्थित थे.

ग्रा. पं. ने गंगाझरी के दिव्यांगों को बांटी इलेक्ट्रिक केतली

बरबसपुरा-ग्राम पंचायत गंगाझरी की ओर से ग्राम के सभी दिव्यांग नागरिकों को इलेक्ट्रिक केटली वितरित की गई. महाराष्ट्र सरकार की ओर से राज्य की प्रत्येक ग्राम पंचायत को ग्राम विकास निधि से पांच प्रतिशत राशि गांव के दिव्यांग नागरिकों के कल्याण एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वर्च करने का प्रावधान किया गया है. इसी प्रावधान के तहत गोंदिया पंचायत समिति अंतर्गत गंगाझरी ग्राम पंचायत कार्यालय की ओर से ग्राम पंचायत की निधि में से प्रति वर्ष 5 प्रतिशत राशि दिव्यांगों की सहायता के लिए नियमित रुप से खर्च की जाती है. इस निधि से गंगाझरी के दिव्यांग नागरिकों को इलेक्ट्रिक केतली का वितरण किया गया. यह केतली दिव्यांगों के लिए उपयोगी साबित होगी. स्थानीय ग्राम पंचायत कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच सोनू घरडे ने की. इस अवसर पर ग्रामसेवक महाकालकर, उपसरपंच सेविका प्रभुदास आगाशे, ग्राम पंचायत के सदस्य राजेश कटरे, महेन्द्र धुर्वे, रामसिंह पंधरे, निर्मला मरस्कोल्हे, बिंदा उईके, लक्ष्मी उपवंशी, माया वघेले, ग्राम के अनेक नागरिक एवं सभी दिव्यांग नागरिक उपस्थित थे.

खाद के दामों ने बढ़ाई टेंशन

खरीफ फसल की तैयारी में जुटे किसान

गोंदिया- देश में 18वीं लोकसभा की धूम मची हुई है. विदर्भ में लोकसभा चुनाव हुए. आगामी समय में राज्य में चुनाव हो हो रहे हैं. चुनाव की पृष्ठभूमि में हम आपके साथ हैं, ऐसे आश्वासन दे रहे नेताओं की ओर से खाद की कीमत और कृषि व्यवसाय में होने वाले खर्च को कम करने के बारे में कोई बातचीत नहीं की गई. इसके विपरीत, आने वाले समय में रासायनिक उर्वरकों की कीमत बढ़ने का संकेत दिया गया है. जिससे किसानों को अच्छी आर्थिक चपत लगने वाली है. रबी सीजन अपने अंतिम चरण में है. रबी सीजन की कटाई और मलनी जोरों पर चल रही है. जून से खरीफ सीजन शुरू होगा. किसान ने खरीफ सीजन के लिए काम करना शुरू कर दिया है. मौसम के लिए खाद, बीज और रोपाई, हल, कटाई, मलनी की लागत की योजना बनाई है. फिलहाल रासायनिक खाद की कीमत में बढ़ोतरी का संकेत मिलने से किसानों को झटका लगा है. मिश्रित उर्वरक, सुपर फास्फेट, पोटास जैसे उर्वरकों की कीमत बढ़ेगी.

राकां की हुई मासिक बैठक

पूर्व विधायक जैन प्रमुखता से थे उपस्थित

सड़क अर्जुनी -सड़क अर्जुनी में पूर्व विधायक राजेंद्र जैन की अध्यक्षता में राकां की मासिक बैठक हुई. इस अवसर पर विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे, नगराध्यक्ष तेजराम मडावी, तहसील अध्यक्ष अविनाश काशिवार, जिप सदस्य सुधा रहांगडाले, आनंदकुमार अग्रवाल, इंजी. डी। यू रहांगडाले, धनंजय कोवे, नितेश गुरनुले, सुभाष कपगते, सुधाकर पंधारे, डॉ. सेवकराम रहांगडाले, आस्तिक परशुरामकर, संजय परशुरामकर, शिव कुमार कपगते, उदाराम गोबड़े, भुवेश डोंगरवार एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे.

आंधी-तूफान से काफी नुकसान

तेज हवा से कई घरों के टीन उड़े, रबी धान फसल हुई धराशायी

तिरोड़ा-गर्मी के मौसम में बारिश का एहसास हो रहा है. मानसून विभाग की ओर से दी जा रही चेतावनी इस बार सटीक साबित हो रही है. तहसील में जोरदार बिजली की कड़कड़ाहट के साथ बारिश हुई. दिनभर कड़ी धूप तपती रही और एकाएक बादल काले होकर जोरदार बारिश हुई. . लगभग 1 घंटे तक चलती रही. इससे कई घरों के टीन के शेड तहस नहस हो गए. रानी अवंतिबाई पाठशाला के पास कम्पाउंड वाल से लगकर टीन का शेड झनकलाल लिल्हारे का था. यह पूर्णत: पतंग की तरह उड़कर पाठशाला के प्रांगन में जा गिरा. सौभाग्य से किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई. तेज हवा के कारण कटाई के लिए तैयार रबी का धान धराशायी हो गया. खेतों में पानी भर गया. जिस धान की बाली गर्भ से बाहर निकलकर दाना भरने की कगार पर थी, उस भी फूल झड़ गया. रबी धान उत्पादक किसानों ने बारीक किस्म की धान जो कम दिन लगभग 100 दिन के भीतर पककर तैयार होते हैं, इस धान की कटाई जिन किसानों के पास स्वयं के कुएं, बोरवेल व नदी-नाले पर लगाए पंपों द्वारा सिंचित होने से इनकी रोपाई जल्द होने से कटाई के लिए आने पर कटाई हो चुकी है. कटी हुई धान में लगातार पानी आने से खेतो में पानी जमा हो रहा. जिससे धान में अंकुरण आएगा. इन दिनों विवाह का दौरा शुरू है. शादी में दूल्हे की निकलने वाली बारात व स्वागत समारोह कार्यक्रम के दौरान बेमौसम बारिश, आंधी तूफान से काफी नुकसान पहुंचा. टेंट, मंडप तहस नहस हो गया. सब मिलाकर पूरा मजा किरकिरा हो गया.

ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे अधिक असर

बैमौसम बारिश के इस दौर में शहर व ग्रामीण में बिजली वितरण व्यवस्था चरमरा गई है. महावितरण बेमौसम बारिश का कारण बताती है. विशेष रूप से बिजली आपूर्ति में व्यवधान से बचने महावितरण द्वारा पूर्व योजना बनाना आवश्यक है. लगातार ऐसे मौसम में आपूर्ति बाधित रहने से यह प्रतीत हो रहा है कि महावितरण ने इस योजना को खत्म कर। दिया है.

महावितरण का उपभोक्ताओं को लगा जोर का झटका

गोंदिया-अप्रैल महीने से महावितरण कंपनी ने बिजली के भाव में वृद्धि की है. इसके अलावा अब बिजली बिल समेत अतिरिक्त सुरक्षा राशि अदा करनी पड़ेगी. महावितरण ने एक ही माह में बिजली उपभोक्ताओं को दोहरा झटका दिया है.

गर्मी से बचने दिन भर पंखे और दोपहर से रात तक कूलर की आवश्यकता होती है. मई महीने का बिजली बिल ग्राहकों के लिए परेशानी बढ़ाने वाला है. महाराष्ट्र बिजली नियामक आयोग ने पिछले वर्ष 6 महीने में बिजली भाव में वृद्धि की मंजूरी दी थी. जिसके अनुसार दूसरे चरण की वृद्धि नए आर्थिक वर्ष की शुरुआत से यानी अप्रैल से लागू की गई है. इसके कारण उपभोक्ताओं को 6 से 8 प्रश अधिक राशि का भुगतान करना पड़ेगा. अतिरिक्त सुरक्षा राशि वसूलने का अधिकार अधिकार महावितरण को है. पूरे राज्य में प्रीपेड मीटर लगने वाले हैं. इसके लिए निविदा निकालकर प्रक्रिया शुरू की गई है. मीटर लगाने से ग्राहकों को अधिक राशि का भुगतान कर उतनी बिजली का उपयोग करेंगे क्या? ऐसा प्रश्न बिजली क्षेत्र के विशेषज्ञों ने उपस्थित किया है.

सेंधमारी के आरोपियों को नागपुर से किया गिरफ्तार, एक आरोपी फरार

» तिरोड़ा, आमगांव, सालेकसा में हुई चोरी की गुत्थी सुलझी

गोंदिया-गोंदिया जिले के तिरोड़ा, आमगांव, सालेकसा में सेंधमारी करने वाले आरोपियों को स्थानीय अपराध शाखा के टीम ने नागपुर से गिरफ्तार किया है. आरोपियों में नागपुर के पार्वती नगर, रामेश्वरी निवासी करण उर्फ रोहन दिलीप गाडगीलवार (23) व एक विधि संघर्ष लड़के का समावेश है. वहीं आरोपी आदर्श रमेश समर्थ (20) फरार है.

नागपुर के आरोपियों ने गोंदिया जिले के तिरोड़ा में 3, आमगांव 1 व सालेकसा में 1 ऐसे पांच जगह घरों में सेंध लगाई थी. पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा ने स्थानिक अपराध शाखा व पुलिस दल को जिले विभिन्न थानों के तहत सेंधमारी, मोटरसाइकिल चोरी के अपराधियों का पता लगाने और अपराधियों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया. जिसके अनुसार पुलिस निरीक्षक दिनेश लबडे के मार्गदर्शन में स्थानीय अपराध शाखा की एक टीम जिले के विभिन्न थानों चोरी, सेंधमारी के अपराध में शामिल अपराधियों की तलाश कर रही थी. इस दौरान जानकारी मिली कि तिरोड़ा क्षेत्र में चोरी और सेंधमारी करने वाले आरोपी नागपुर के निवासी है और गोंदिया जिले में कई चोरी के अपराध कर चुके है. आरोपी नागपुर के पार्वती नगर, रामेश्वरी निवासी करण उर्फ रोहन दिलीप गाडगीलवार (23) व एक विधि संघर्ष लड़के को हिरासत में लिया गया. आरोपियों से गहनता से पूछताछ करने पर आरोपियों ने तिरोड़ा, आमगांव व सालेकसा में फरार साथी पार्वती नगर, रामेश्वरी निवासी आदर्श रमेश समर्थ (20) के साथ चोरी की घटना को अंजाम देने का मामला कबुल किया. जब उनसे जिले में घटित चोरी अपराध में चोरी गई संपत्ति के संबंध में पूछताछ की गई तो उसने गोलमोल जवाब दिया. पकड़े गए विधि संघर्ष आदित्य को सूचना पत्र देकर परिजन को सौंप कर रिहा कर दिया गया है व आरोपी करण गाडगिलवार को तिरोड़ा पुलिस के सुपुर्द किया गया. यह कार्रवाई वरिष्ठों के निर्देश पर स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक दिनेश लबडे के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक विजय शिंदे, हवलदार तुलसीदास लुटे, भुवन देशमुख, चित्तरंजन कोडापे, इंद्रजित बिसेन, सोमेंद्र तुरकर, सिपाही संतोष केदार, अजय रहांगडाले, हंसराज भांडारकर, हवलदार लक्ष्मण बंजार, सिपाही घनश्याम कुंभलवार, हवलदारर संजय शेंडे, योगेश रहिले ने की.

बिजली गुल होने से नागरिक हो रहे परेशान

देवरी (त.सं). बेमौसम बारिश के दौरान होने वाली बिजली गुल की समस्या कोई नई बात नहीं है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली गुल का सिलसिला जारी है. जिससे नागरिकों को मच्छरों का प्रकोप झेलना पड़ता है. ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर अंधेरे में रात गुजारनी पड़ती है. बार-बार बिजली गुल होने से बिजली उपकरण खराब हो रहे हैं और उपभोक्ताओं को आर्थिक नुकसान हो रहा है. बिजली का भारी भरकम बिल भरने के बावजूद मानसिक, आर्थिक और शारीरिक कष्ट झेलना पड़ रहा है.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।